INSTALLATION OF ROBOTIC CAMERAS IN THE CHAMBER OF RAJYA SABHA

सैयद सिब्ते रज़ी (उत्तर प्रदेश): मैडम, हमारे इस पार्लियामेंट हाउस की तामीर सन् 1924 में हुई थी और दुनिया की जो खूबसूरत बिल्डिंगे हैं उनमें हमारी पार्लियामेंट की बिल्डिंग भी आती है। आर्चीटैक्चर के प्वाइंट आफ व्यू से देखा जाए तो भी यह एक बहुत ही खूबसूरत नमूना है। यह लकड़ी जो यहां लगी हुई है यह भी मैं समझता हूं कि 70-75 साल की है और बर्मा से लायी गयी है। यह जो वुड कार्विंग मैडम आप देख रही हैं इसमें न जाने हमारे कितने नक्काश कारीगरों के हाथ लगे हैं। लेकिन अगर आप नजर उठाकर देखें और हम लोग पिछले एक हफ्ते से इस बात को वाच कर रहे हैं कि किस तरह से ये वुड कार्विंग की जालियां जो लगी हुए हैं इनको तोड़ दिया गया है, हटा दिया गया है और यहां पर कैमरे फिट कर दिए गए हैं। मुझे नहीं मालूम कि कैमरे किसलिए हैं। सर्वीलेंस के लिए हैं या टेलीविजन वालों ने लगाए हैं। इसको तो आप देखें। लेकिन इस बात को मैं कहूंगा की जो कुछ भी किया गया है बहुत सी क्रूर तरीके से किया गया है और जो एस्थेटिक सेंस है उसको तो बिल्कुल ही खत्म कर दिया गया है। हो सकता है कभी जरूरत पड़े किसी चीज को वेज करने की। लेकिन यह जो पर्सपेक्टिव है पूरे इंटीरियर डेकोरेशन का उसको जेहन में रखना चाहिए। यदि आप इस तरफ के कार्नर को देखें तो वह जो हमारा स्तम्भ है वह तक यहां से दिखाई दे रहा है। इस तरफ से देखें तो पीछे की सारी चीजें दिखाई दे रही हैं। जहां से जालियां हटायी गयी हैं मुझे नहीं मालूम कि वे बरबाद कर दी गयी हैं या फेंक दी गयी हैं। लेकिन अगर उन्हें नहीं फेंका गया है तो मैं समझता हूं कि ये पुनः अपनी जगह पर लगायी जानी चाहिए। ठीक है अगर कैमरे या टेलीविजन करते हैं तो उससे यह अख्तियार नहीं पहुंचता कि जिस तरह से चाहें जहां भी चाहें जो चीज फिक्स कर दें। इसका कोई और तरीका निकाला जा सकता था और यह पार्लियामेंट की जो खूबसूरती है यह हमारी लीगेसी है। आज अगर आप लोगों के ड्राइंग रूम्स में जाकर देखें तो 20-20, 25-25 साल के फर्नीचर के जो आइटम्स हैं उन्हें एन्टिक की सूरत में सजाकर रख जाता है। यह पार्लियामेंट का 75 साल का करीब करीब जो यह फर्नीचर हो रहा है इसको इस बेदर्दी से तोड़ दिया है कि इस सबसे हमको दुख हुआ है। हम इसके खिलाफ नहीं हैं कि टेलीविजन या कैमरे को फिट करें। अब ये तो मैनुआली आपरेटेड कैमरे हैं इनसे बहुत बेहतरीन तरीके से सारा कवरेज हो रहा है। इन कैमरों के फिक्स करने की क्या जरूरत थी। बहरहाल ये सब चीजें ऐसी हैं जो मैं समझता हूं कि जनरल परपज कमेटी बगैरह में डिसकस होनी चाहिए और यह जो रथलेसली इस तरह के काम होता है जो एक खूबसूरती है जो एक पक्षमंजर है जो एक पर्सपेक्टिव है, इन चीजों को हमें संभालकर रखना है। यह हमारी विरासत है और इस विरासत को इस तरह से तबाह करना कि जब आपके मन में आए कोई चीज कर दें। पार्लियामेंट में तो मैंने यहां तक सुना है कि अगर एक कील भी गाड़ी जानी है तो उसके लिए यहां के जो आर्चीटिक्ट है या जो यहां के जिम्मेदार लोग हैं उनसे राय मश्विरा लेना होता है। आज जमाना वह आ गया है मैडम कि जो पुरानी पुरानी इमारतें हैं 50-50, 60-60 साल की दुनियां के दूसरे देशों में देखें, हमारे देश में भी देखें - जो हिस्टारिकल, इतिहास की, तारीखी इमारतें हैं उनका जीवनोद्धार किया जा रहा है। उन पर लाखों रुपया खर्च किया जा रहा है। पार्लियामेंट के अंदर मैडम इस तरह का मैं समझता हूं कि यह बहुत की खराब काम है। इस तरह से पार्लियामेंट की जो खूबसूरती है उसको और यहां की फर्निशिंग को तबाह करना है। मैं समझता हूं कि ...(**व्यवधान**) आप इसको तय करेंगे.. (**व्यवधान**) स्वरूप और इसकी खूबसूरती का एक नमूना.....(**व्यवधान**)... नज़र आ रहा है, इसको आप...(**व्यवधान**) करने का प्रयास करेंगे। यह किसी को हक नहीं पहुंचता कि....(**व्यवधान**) इस चीज़ का फैसला करें। (**व्यवधान**)

थैंक यू मैडम

†[] सैयद सिब्ते रज़ी (उत्तर प्रदेश): मैडम - हमारे इस पार्लियामेंट हाउस की तामीर सन् १९२४ में हुई थी और दुनिया की जो खूबसूरत बिल्डिंगे हैं उनमें हमारी पार्लियामेंट की बिल्डिंग भी आती है। आर्चीटैक्चर के प्वाइंट आफ व्यू से देखा जाए तो भी यह एक बहुत ही खूबसूरत नमूना है। यह लकड़ी जो यहां लगी हुई है यह भी मैं समझता हूं कि 70-75 साल की है और बर्मा से लायी गयी है।

†[] Transliteration in Arabic Script.

کیمرہ یا ٹیلی ویژن کرتے ہیں تو اس سے یہ اختیار نہیں پہنچتا کہ جس طرح سے چاہیں جہاں بھی چاہیں جو چیز فکس کر دیں۔ اسکا کوئی اور طریقہ نکالا جا سکتا تھا اور یہ پارلیمنٹ کی خوبصورتی ہے یہ ہماری لیگیسی ہے۔ آج اگر آپ لوگوں کے ڈرائنگ روم میں جا کر دیکھیں تو بیس بیس، پچیس پچیس سال کے فرنیچر نے جو آکٹوپس ہیں انھیں اینٹک کی صورت میں سجا کر رکھا جاتا ہے۔ یہ پارلیمنٹ کا ۷۰ سال کا قریب قریب جو یہ فرنیچر ہو رہا ہے اسکو اس بے دردی سے توڑ دیا گیا ہے کہ اس سب سے بھی کو دکھ ہوا ہے۔ ہم اسکے خلاف نہیں ہیں کہ کیمرے یا ٹیلی ویژن کے فٹ کریں۔ اب یہ جو "مینوئل آپریٹڈ کیمرے" ہیں ان سے بہت بہترین طریقہ سے سارا کوریج ہو رہا ہے۔ ان کیمروں کے فیکس کرنے کی کیا ضرورت تھی۔ بہرحال یہ سب چیزیں ایسی ہیں جو میں سمجھتا ہوں کہ "جنرل پریزنٹیشن" وغیرہ میں ڈسکس ہونی چاہئیں اور یہ جو روٹین سلی اسطرح سے کام ہوتا ہے جو ایک خوبصورتی ہے جو ایک پس منظر ہے جو ایک "پرسپیکٹیو" ہے ان چیزوں کو ہمیں سنبھال کر رکھنا ہے۔ یہ ہماری وراثت ہے اور اس وراثت کو اس طرح سے تباہ کرنا کہ جب آپ کے من میں آئے کارونگ، میڈم آپ دیکھ رہی ہیں اسمیں نہ جانے ہمارے کتنے نقاش کاری گروں کے ہاتھ لگے ہیں لیکن اگر آپ نظر اٹھا کر دیکھیں اور ہم لوگ پچھلے ایک ہفتے سے اس بات کو نوٹ کر رہے ہیں کہ کس طرح سے یہ وینٹیلیشن کی جالیاں جو لگی ہوئی ہیں انکو توڑ دیا گیا ہے۔ ہٹا دیا گیا ہے اور یہاں پر کیمرے فٹ کر دیئے گئے ہیں۔ مجھے نہیں معلوم کہ کیمرے کس لئے ہیں۔ سرویلنس کیلئے ہیں یا ٹیلی ویژن والوں نے لگائے ہیں اسکو آپ دیکھیں لیکن اس بات کو میں کہنا چاہتا ہوں کہ جو کچھ بھی کیا گیا ہے بہت کروڈ طریقہ سے کیا گیا ہے۔ اور جو "اسٹیٹک سینس" ہے اسکو تو بالکل ہی ختم کر دیا گیا ہے۔ ہو سکتا ہے کبھی ضرورت پڑے کسی چیز کو چینج کرنے کی لیکن یہ جو "پرسپیکٹیو" ہے پورے "انٹیریر ڈیکوریشن" کا اسکو ذہن میں رکھنا چاہیئے۔ اگر آپ اس طرف کے کاریڈور کو دیکھیں تو وہ جو ہمارا اسٹیٹیو ہے وہ تک یہاں سے دکھائی دے رہا ہے۔ اسطرف سے دیکھیں تو پیچھے کی ساری چیزیں دکھائی دے رہی ہیں۔ جہاں سے جالیاں ہٹائی گئی ہیں مجھے نہیں معلوم کہ وہ برباد کر دی گئی ہیں یا پھینک دی گئی ہیں۔ لیکن اگر انھیں نہیں پھینکا گیا ہے تو میں سمجھتا ہوں کہ یہ دوبارہ اپنی جگہ پر لگائی جانی چاہئیں۔ ٹھیک ہے اگر

†[ ]نیتا اودھو دل شری سکندر بخت:

صدر صاحبہ - سوال پیدا ہوتا ہے کہ یہاں کا جو بھی ڈیکوریشن کا طریقہ رہا ہے اسکو بدلنے کی اجازت آپ سے لی گئی یا نہیں - یہ بنیادی بات ہے اور یہ کیمرے کس مقصد کیلئے لگائے گئے - وہ مقصد آپکو بتایا گیا یا نہیں - ہم تو یہ جاننا چاہتے ہیں -]

SHRI KRISHNA KUMAR BIRLA (RAJASTHAN): Madam, I associate myself with it...(*Interruptions*)..

SHRI AJIT P.K. JOGI (MADHYA PRADESH): All of us should associate ourselves with it.

SOME HON. MEMBERS: The whole House should associate itself with it...(*Interruptions*)...

SHRI JOHN F. FERNANDES (GOA): Madam, I want to know whether the chamber of Rajya Sabha is under the control of the Speaker of Lok Sabha. ...(*Interruptions*)...

विपक्ष के नेता (श्री सिकन्दर बख्त): सदर साहिबा, सवाल यह पैदा होता है कि यहां का जो भी डेकोरेशन का तरीका रहा है उसको बदलने की इजाजत आपसे ली गई या नहीं, यह बुनियादी बात है और ये कैमराज़ किस मकसद के लिए लगाए गए, वह मकसद आपको बताया गया या नहीं, हम तो यह जानना चाहते है?

†[ ]نیتا اودھو دل شری سکندر بخت:

صدر صاحبہ - سوال پیدا ہوتا ہے کہ یہاں کا جو بھی ڈیکوریشن کا طریقہ رہا ہے اسکو بدلنے کی اجازت آپ سے لی گئی یا نہیں - یہ بنیادی بات ہے اور یہ کیمرے کس مقصد کیلئے لگائے گئے - وہ مقصد آپکو بتایا گیا یا نہیں - ہم تو یہ جاننا چاہتے ہیں -]

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CIVIL AVIATION AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN) (Tamil Nadu): That is for doordarshan, Madam.

SHRI S.S. AHLUWALIA (BIHAR): Whatever it is...(*Interruptions*)...

SHRI SATISH AGARWAL (RAJASTHAN): Let this matter be given

†[ ]Transliteration in Arabic Script

to the General Purposes Committee of this House which would go into it. (*Interruptions*)...

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: I am agreeing with you. (*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Just one second. The matter was raised in the morning also. Members showed their concern about it. It was not concern, it was anguish. it looks like making holes in our body because this Parliament is our body and they make holes into it. It is just like that. It is bleeding today. That is why Members who were very upset came and asked and I allowed it to be raised on the floor of the House. I have asked the Secretary-General to find out because anything to be done in the Parliament has to come before the General Purposes Committee. Both the Houses have their own General Purposes Committees. Lok Sabha has its own General Purposes Committee presided over by the hon. Speaker and Rajya Sabha has its own General Purposes Committee presided over by the hon. Chairman. At what point of time this decision was taken, who gave the permission. whether permission was ever asked for, I have no idea about it because it was never raised in the General Purposes Committee of which I am also a Member.

SHRI JOHN F. FERNANDES: What action will you take?

THE DEPUTY CHAIRMAN: We will take action, but first I will have to take a report about it. I have asked the Secretary-General to find out who took this decision. When Doordarshan's big cameras were put, a decision was taken in the General Purposes Committee. But, when these other cameras were put, I don't know about it. The Parliamentary Affairs Minister, perhaps, knows that they are doordarshan cameras. She says so, I take her word for it. But, even if they are Doordarshan cameras, they are there to project proceedings of the House, I think Doordarshan would also like to project how beautiful our Chamber is. They would not like to disturb the beauty of the Chamber which is 75 year old of which we are very proud. So, Doordarshan has no business to destory the beauty of it, even for showing proceedings of the House. I agree with you. I am totally in agreement with you and I think whoever has done it, the whole House is anguished about it. Some action would be taken, but first I will have to take a report about it.

SHRI JOHN F. FERNANDES: It should be restored. ... (*Interruptions*)...

SHRI SIKANDER SAKHT: Madam Deputy Chairperson, I am worried. I do not wish to encroach upon the rights of the General Purposes Committee. But my question is, did somebody approach you? In case no decision was taken by the General Purposes Committee, you are the Chairperson and you should have been approached before the Chamber was disfigured.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Sikander Bakht Saheb, I enquired from someone. This is not an authentic reply with I have got. The person to deal with this matter for enquiry is the Secretary-General of Rajya Sabha. I have asked Mr. Sohoni to find it out. If this was doen, I was told-perhaps, it was done in the inter session period, not in the last few days. So, nobody approached me. I have no idea about it. So, I cannot tell you I could have known it if somebody had directly approached me, or if it was raised in the general Purposes Committee I would have known it. That is what I said. So, I don't know about it. In fact, my attention was drawn to it by the Memebrs because I generally look at all of you and not so high; I am not very keen to look at the cameras.

श्री एस॰एस॰ अहलुवालिया: मैडम इसी के संबंध में मैं यह कहना चाहता हूं कि ऐज यह सुना जा रहा है कि दूरदर्शन अपने आपको गवर्नमैंट साइकल से लिबरेट करने जा रहा है।

उपसभापति: अहलुवालिया जी, वह छोड़िए आप ।.....(व्यवधान).....We will look into

it. ((*Interruptions*) We will first find out what is the basis.

श्री एस०एस० अहलुवालिया: मैडम, आज तो दूरदर्शन के लिए छेद किया गया, कल एनडी टीवी के लिए, आज तक के लिए और सब के लिए एक छेदा किया जाएगा। तो यह देखने की बात है।....(**व्यवधान**).... सिस्टम, को बदलने की जरूरत है। वह तो अपने आपको लिबरेट करने जा रहे हैं आजाद होने जा रहे हैं। ज्यों ही वह आजाद होगा तब और भी ऐसे इलेक्ट्रोनिक मीडिया हैं, सब कहेंगे कि हम अपना कैमरा लगाएंगे। इस बात को भी ध्यान में रखिएगा।...(व्यवधान)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: After whatever the Chair says, I do not think there is any need to discuss this matter till we get the report.(*Interruptions*)

SHRI V. KISHORE CHANDRA S. DEO (ANDHRA PRADESH): Madam, we fully appreciate the views expressed by you. I would only like to know, and I am sure the whole House would like to know whether these cameras are of doordarshan or whether they are installed for security purpose.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I think, you came a little late and you did not hear the whole thing that I said. I will tell you. The parliamentary Affairs Minister, Smt. Jayanthi Natarajan, has said that they are Doordarshan Cameras. When she says it, I believe that they would be Doordarshn Cameras.

SHRI V. KISHORE CHANDRA S. DEO: Do we take this as a statement made by the Minister for Parliamentary Affairs Minister on the floor of the House?

THE DEPUTY CHAIRMAN: Naturally, if any statement is made on the floor of the House, it is a statement made on the floor of the House.

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी: (उत्तर प्रदेश) दूरदर्शन का अदूरदर्शितापूर्ण काम है।..(व्यवधान)....

THE DEPUTY CHAIRMAN: That is over. (*Interruptions*)

SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI: The IB has imposed these in all other Ministries and Departments. So, it could be that the IB holes are there in Information and Broadcasting. (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: I do not know if there are more perhpas. (*Interruptions*) There are a lot of holes over here.

RE: NEED TO BAN ARUN SHOURIE'S BOOK ENTITLED 'FALSE GODS'

श्री अजीत जोगी (मध्य प्रदेश): मैडम, एक बहुत ही घटिया मानसिकता के इंसान ने एक बहुत ही घटिया किताब लिखी, जो कल हमारे दूसरे सदन में फाड़ कर उस सदन के वैल में फेंकी गई। आज एस०सी०,एस०टी० का जो फोरम है एम०पीज० का, उसके सदस्यों के सामने आज उस किताब को विश्व-वंदनीय बाबा साहेब अम्बेडकर की प्रतिमा के सामने जलाया गया। मैं किताब की ओर आपका, पूरे सदन का और सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। किताब का नाम है- "फाल्स गोड", और लेखक का नाम है अरूण शौरी। उन्होंने यह डा० बाबा साहेब अम्बेडकर के बारे में लिखी है और यह सिद्ध करने की झूठी, असत्य कोशिश की है कि डा० बाबा साहेब अम्बेडकर राष्ट्रीय नहीं थे, राष्ट्र भावना से प्रेरित नहीं थे उन्होंने राष्ट्र की स्वतंत्रता के आंदोलन के लिए कुछ नहीं किया। एक ऐसी गलत बात इस किताब के माध्यम से उन्होंने सिद्ध करने की कोशिश की है।

महोदय, बहुत दिनों से हम दलितों के बारे में चर्चा कर रहे हैं और सब सहमत हुए हैं दलों की सीमाओं से ऊपर उठकर कि जिस तरह का माहौल देश में बनता है उस माहौल की परिणति ही ऐसी घटनाओं की तरफ ले जाती है। यह किताब इस तरह की किताब ऐसा माहौल बनाने में सहायक सिद्ध होती है। मैं यह मानता हूं कि जो घटना मुम्बई में हुई और अन्य स्थानों में हुई, ऐसी ही किताब को पढ़कर लोग आदरणीय बाबा साहेब अम्बेडकर के बारे में ऐसी बातें सोचते हैं।

महोदया, मैं थोड़ा सा समय लेना चाहूंगा। जिन बाबा साहेब अम्बेडकर के बारे में अरूण शौरी ने ऐसी बातें लिखी हैं, उनके लिए देश के दूसरे महान नेताओं ने क्या कहा है, वह मैं यहां बताना चाहूंगा। आदरणीय गांधी जी ने कहा था - A patriot of sterling worth. Shri C. Rajagopalachari had said, A thoroughly upright person and a man with keen jurisprudence, proud and irreconcilable, with great learning and full